

प्रभु! आपका शासन मिला इसलिए आपकी पहचान हुई।

शासन मिला इसलिए आपके वचन मिले।

शासन मिला इसलिए गुरु तत्त्व का परिचय मिला।

शासन मिला इसलिए तारक योग और अनुष्ठान मिले।

शासन मिला इसलिए तारक सात क्षेत्र मिले।

आपका शासन मिला इसलिए इन सभी के प्रति हार्दिक अनुराग मिला।

आपका शासन मिला इसलिए अहिंसा, अनेकांतवाद और

अपरिग्रहवाद जैसे सार्वभौमवादी सिद्धांत मिले।

